Roll No. : ....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APP–1019

M.A. (Previous) Examination, 2022

SANSKRIT

Paper - III

(भारतीय दर्शन)

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 100*

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सर्वेऽपि प्रश्नाः समाधेयाः। उत्तरम् अधिकाधिकं **50** शब्दात्मकम्। प्रतिप्रश्नं हि अङ्कद्वयम्।

(i) कानि षड्दर्शनानि ? के च तेषां प्रवर्तकाः ?

(ii) नास्तिकदर्शनानि कानि ?

(iii) तर्कभाषानुसारेण तत्त्वज्ञानाद् कस्य अधिगमो भवति ?

(iv) वैशेषिक-दर्शनस्य मूलग्रन्थस्य नाम किम् ?

(v) न्यायमतेन प्रत्यक्षज्ञानस्य भेदद्वयम् किमस्ति ?

(vi) वेदान्तानुसारेण पञ्चकोषाणां नामानि कानि ?

(vii) महर्षिपतञ्जले: योगविषयकस्य ग्रन्थस्य नाम किम् ?

(viii) तर्कभाषा इति ग्रन्थोऽयम् केन दर्शनेन सम्बद्धः ?

(ix) ईश्वरकृष्णस्य कापि एका कारिका शुद्धतया लेखनीया या खल्वत्र प्रश्नपत्रे न लिखिता स्यात्।

(x) सांख्यमतेन दु:खत्रयस्य, गुणत्रयस्य, प्रमाणत्रयस्य च नामोल्लेख: क्रियताम्।

खण्ड–ब

नोट :– अत्र सप्तसु केचन पञ्चप्रश्ना: समाधेया:। द्वितीय: चतुर्थश्च प्रश्न: अनिवार्यतया समाधीयताम्। प्रत्येकं प्रश्नस्य अष्टौ अङ्का:। उत्तरं खलु **200** शब्दात्मकम्।

2. कस्याप्येकस्या: कारिकाया: संस्कृतेन व्याख्या कार्या–

   (i) दु:खत्रयाभिधाताज्जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।

   दृष्टे साऽऽपार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततोऽभावात्॥

अथवा

   (ii) प्रकृतेर्महांस्ततोऽहंकारस्तस्माद् गणश्च षोडश क:।

   तस्मादपि षोऽशकात्पञ्चभ्य: पञ्चभूतानि॥

3. 'सांख्ये पुरुषतत्त्वम्' इत्यस्मिन् विषये टिप्पणी लेख्या।

4. अधोलिखितं बिन्दुमधिकृत्य संस्कृतेन विवेचनं करणीयम्–

   वेदान्तस्य अधिकारी।

अथवा

   पञ्चीकरणम्।

5. अधोलिखिताया: पंक्ते: व्याख्या क्रियताम्–

त्रिविधा चास्य शास्त्रस्य प्रवृत्तिरुद्देशो लक्षणं परीक्षा चेति।

अथवा

इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

6. सप्रसङ्ग व्याख्या क्रियताम्–

साहचर्यनियमो व्याप्ति:।

अथवा

यत्तु स्वयं धूमादग्निमनुमाय परं बोधयितुं

पञ्चावयवं वाक्यं प्रयुज्यते तत्परार्थानुमानम्।

7. 'अभ्यास-वैराग्याभ्यां तन्निरोध:' इति सूत्रं व्याख्येयम्।

8. सप्रसङ्गं व्याख्या विधेया–

सूक्ष्मशरीराणि सप्तदशावयवानि लिङ्गशरीराणि।

अथवा

अस्याज्ञानस्य आवरणविक्षेपनामकमस्ति शक्तिद्वयम्।

खण्ड–स

नोट :– अधोलिखितेषु चतुर्षु प्रश्नेषु कयोश्चित् द्वयो: प्रश्नयो: उत्तरं देयम्। प्रतिप्रश्नं हि **20** अङ्का:। उत्तरं च **500** शब्दात्मक्।

9. सांख्यमतानुसारेण गुणत्रयस्य निरूपणं करणीयम्।

10. वेदान्तमतानुसारेण जीवन्मुक्तस्वरूपं निरूप्यताम्।

11. 'प्रमाकरणं प्रमाणम्' इति प्रमाणलक्षणस्य सविस्तरं व्याख्यानं क्रियताम्।

12. योगसूत्र-सम्मतं समाधे: स्वरूपं निरूप्यताम्।